DELHI PUBLIC SCHOOL SURAT: DEPARTMENT OF HINDI

Class: X…… **SAMPLE PAPER**

Name: …… **Roll No: ……..**

<u>खंड-क</u>

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़ चित्त मनुष्य हो गए हैं जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी, अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया। राजा हरिश्चंद्र के ऊपर इतनी विपत्तियाँ आईं, पर उन्होंने अपना सत्य नहीं छोड़ा। महाराणा प्रताप जंगल में मारे-मारे फिरते थे, अपनी स्त्री और बच्चों को भूख से तड़पते देखते थे परंतु उन्होंने उन लोगों की बात न मानी जिन्होंने उन्हें अधीनतापूर्वक रहने की सम्मति दी क्योंकि वे जानते थे कि अपनी मर्यादा की चिन्ता जितनी अपने को हो सकती है उतनी दूसरे को नहीं। जो युवा पुरुष सब बातों में दूसरों का सहारा चाहते हैं जो सदा एक-न-एक नया अगुआ ढूँढ़ा करते हैं और उनके अनुयायी बन सकते हैं वे आत्म-संस्कार के कार्य में उन्नति नहीं कर सकते। उन्हें स्वयं विचार करना, अपनी सम्मति आप स्थिर करना, दूसरों की उचित बातों का मूल्य समझते हुए भी उनका अंधभक्त न होना सीखना चाहिए। एक इतिहासकार कहता है-'प्रत्येक मनुष्य का भाग्य उसके हाथ में है।' प्रत्येक मनुष्य अपना जीवन-निर्वाह श्रेष्ठ रीति से कर सकता है।चित्त-वृत्ति के प्रभाव से हम प्रलोभनों का निवारण करके उन्हें सदा पद-दलित करते हैं, कुमंत्रणाओं का तिरस्कार करते हैं और शुद्ध चरित्र के लोगों से प्रेम और उनकी रक्षा करते हैं। इसी चित्त-वृत्ति के प्रभाव से युवा पुरुष कार्यालयों में शांत और सच्चे रह सकते हैं और उन लोगों की बातों में नहीं आ सकते जो आप अपनी मर्यादा खोकर दूसरों को भी बुराई के गड्ढ़े में गिराना चाहते हैं। इसी चित्त-वृत्ति के प्रताप से बड़े-बड़े लोग ऐसे समयों में भी जबकि उनके साथियों ने उनका साथ छोड़ दिया, अपने महत्व के कार्य में अग्रसर होते गए और यह सिद्ध करने में समर्थ हुए हैं कि निपुण, उत्साही और परिश्रमी पुरुषों के लिए कोई अड़चन ऐसी नहीं जो कहे कि 'बस यहीं तक और आगे न बढ़ना।' इसी चित्त-वृत्ति की दृढ़ता से पुरुष-सिंहों को यह कहने की क्षमता हुई है, 'मैं राह ढूँढूँगा या राह निकालूँगा।' यही चित्त-वृत्ति थी जिसकी उत्तेजना से शिवाजी ने थोड़े से मराठे सिपाहियों को लेकर औरंगज़ेब की बड़ी भारी सेना पर छापा मारा और उसे तितर-बितर कर दिया।

(क) दृढ़ चित्त मनुष्यों की विशेषता होती है कि वे…. **1**

(i) सदैव सत्य का पालन व आत्मा का समर्थन करते हैं।
(ii) अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करते हैं।
(iii) अपनी मर्यादा की चिंता करते हैं।
(iv) मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ते।

(ख) आत्म-संस्कार के कार्य में उन्नति करने के लिए क्या आवश्यक है: **1**

(i) किसी का अनुसरण करना
(ii) स्वयं विचार कर दृढ़ता से निर्णय लेना व अंधभक्ति नहीं
(iii) अपनी वैचारिक क्षमता पर भरोसा व दृढ़ता
(iv) दूसरे की उचित बातों का मूल्य समझकर उसकी भक्ति

(ग) महाराणा प्रताप ने इतनी कठोर यंत्रणाएँ क्यों सही: **1**

(i) वे अपने राज्य को स्वतंत्र करवाना चाहते थे।

(ii) वे दृढ़ चित्त थे एवं अपमान का प्रतिशोध लेना चाहते थे।

(iii) उन्होंने परतंत्रता का विरोध किया एवं मर्यादा की रक्षा करना अपना कर्तव्य समझा।

(iv) वे अपनी मर्यादा की रक्षा का महत्त्व जानते थे।

(घ) प्रत्येक मनुष्य का भाग्य उसके हाथ में है।'- पंक्ति का आशय क्या है? **1**

(i) मनुष्य अपना सारा कार्य स्वयं कर सकता है।

(ii) मनुष्य अपने भाग्य को बदलने की क्षमता रखता है।

(iii) मनुष्य के हाथों की लकीरों में ही उसका भाग्य है।

(iv) मनुष्य के हाथों में स्थितियों को बदलकर उन्हें उत्तम बनाने की क्षमता है।

(ङ) 'पुरुष-सिंह' की उपमा किन्हें दी जा सकती है: **1**

(i) जो स्थितियों से घबराए बगैर उन्हें बदलकर आगे बढ़ने की क्षमता रखते हैं।

(ii) जिनका चरित्र सिंह की तरह होता है।

(iii) जो निपुण, उत्साही, परिश्रमी और दृढ़ चित्त के होते हैं।

(iv) जो राह ढूँढने या राह निकालने में विश्वास करते हैं।

2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

मनुष्य का दुराचार ही व्यापक रूप धारण करके भ्रष्टाचार का स्थान ग्रहण कर लेता है। बुराइयों के समूह का नाम ही भ्रष्टाचार है जो अंदर ही अंदर समाज को खोखला किए जा रहा है। भ्रष्टाचार वह दीमक है जो राष्ट्र को खोखला कर देती है। जिस देश या जाति में भ्रष्टाचार का ऐसा रोग फैल जाता है उसका नैतिक पतन होने लगता है। दुर्भाग्य से आज भारत का यही हाल है। आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य ने हज़ारों महत्वाकांक्षाएँ पाल ली हैं। मनुष्य की ये महत्वाकांक्षाएँ ही इसे भ्रष्टाचारी बनने पर विवश कर रही हैं। मनुष्य जानता है कि ईमानदारी और परिश्रम से उसकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति नहीं हो सकती। राजनीति ने भी भ्रष्टाचार का पूरा-पूरा साथ दिया है। आज राजनेताओं की पूरी पीढ़ी ही भ्रष्ट है। सत्ता पाने के बाद हमारे नेताओं को यह आशंका सताने लगती है कि पता नहीं फिर उन्हें सत्ता-सुख नसीब हो या न हो इसलिए वे जब तक सत्ता में हैं अधिक-से-अधिक धन एकत्रित कर लेना चाहते हैं। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जहाँ हमारे नेताओं को 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' की नीति को त्यागना पड़ेगा, वहाँ नागरिकों को भी आत्म-संयम से काम लेना होगा। इस रोग के निदान के लिए आवश्यक है कि समाज को आर्थिक-विषमता के जाल से निकाला जाए। इस दिशा में जनता का सहयोग भी आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक के मन में यह बात बिठा दी जाए कि भ्रष्टाचार की तलवार दूसरों के साथ-साथ अपना भी गला काटती है जबकि सदाचार से अपना भी भला होता है। भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सरकार को प्रयत्नशील रहना होगा। भ्रष्ट कर्मचारियों तथा अधिकारियों को समय से पहले नौकरी से हटाया जाए। हमें याद रखना चाहिए कि रिश्वत लेना व देना अपराध है। भ्रष्टाचार से मुक्त होकर ही देश प्रगति कर सकता है। इसके लिए इस समस्या से युद्ध-स्तर पर लड़ना होगा। यह एक असाध्य रोग है। इसे साधने के लिए हमें अपनी कथनी और करनी को एक करना होगा। न तो स्वयं भ्रष्ट आचरण करें और न दूसरों को करने दें।

(क) 'भ्रष्टाचार' से लेखक का क्या तात्पर्य है? **1**

(i) मनुष्य के दुराचार का व्यापक रूप, बुराइयों का समूह।

(ii) बुराइयों के समूह का नाम ही भ्रष्टाचार है।

(iii) भ्रष्टाचार वह दीमक है, जो राष्ट्र को खोखला कर देती है।

(iv) भ्रष्टाचार एक रोग जो नैतिक पतन का कारण है।

(ख) राजनीति भ्रष्टाचार की पोषक कैसे है? **1**

(i) राजनीतिज्ञ वोट पाने की लालसा में किसी भी हद तक गिर जाते हैं।

(ii) राजनेता सत्ता व धन लिप्सा से ग्रस्त हो कार्यकाल में अधिकाधिक पैसा एकत्र करते हैं।

(iii) पर उपदेश कुशल बहुतेरे' की नीति को त्यागना नहीं चाहते।

(iv) सत्ताधारियों के दबाव के कारण ही सभी विभागों में भ्रष्टाचार पनप रहा है।

(ग) भ्रष्टाचार को 'असाध्य रोग' कहने का क्या अर्थ है? **1**

(i) इस रोग का कोई उपचार नहीं है।

(ii) भ्रष्टाचार का रोगी नैतिक पतन का शिकार हो जाता है।

(iii) सरलता से उपचार संभव नहीं किंतु युद्धस्तर पर प्रयास से सफलता की प्राप्ति।

(iv) भ्रष्टाचार वह दीमक है, जो राष्ट्र को खोखला कर देती है।

(घ) भ्रष्टाचार मिटाने में आम आदमी किस प्रकार सहयोग कर सकता है? **1**

(i) सरकारी तंत्रों को सहयोग एवं भ्रष्टाचारियों का खुलासा।

(ii) न तो स्वयं भ्रष्ट आचरण करें और न दूसरों को करने दें।

(iii) महत्वाकांक्षाएँ कम, आत्मसंयम से काम व नैतिकता को बढ़ावा देना होगा।

(iv) नागरिक के मन में यह बात बिठा दी जाए कि भ्रष्टाचार की तलवार से सदाचार बेहतर।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। **1**

(i) भ्रष्टाचार -एक असाध्य रोग

(ii) मानव और भ्रष्टाचार

(iii) एक विकट समस्या

(iv) भ्रष्टाचार हटाओ-देश बचाओ

3. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

वर्षा ने आज विदाई ली जाड़े ने कुछ अंगड़ाई ली
प्रकृति ने पावस बूँदों से रक्षण की नव भरपाई ली।।
सूरज की किरणों के पथ से काले-काले आवरण हटे
डूबे टीले महकन उठ्ठी दिन की रातों के चरण हटे।।
पहले उदार थी गगन वृष्टि अब तो उदार हो उठे खेत
यह उग-उग आई बहार वह लहराने लग गई रेत।।

ऊपर से गिरने के दिन रात गए छवियाँ छायी
नीचे से ऊपर उठने की हरियाली पुन: लौट आई।।
अब पुन: बाँसुरी बजा उठे ब्रज के यमुना वाले कछार
धुल गए किनारे नदियों के धुल गए गगन में घन अपार।।
अब सहज हो गए जति के वृत जाना नदियों के आर-पार
अब खेतों के घर अन्नों की बंदनवारें हैं द्वार-द्वार।।
नालों, नदियों, सागरों, सरों ने नभ से नीलांभर पाए
खेतों की मिटी कालिमा उठ वे हरे-हरे सब हो आए।।
मलयानिल खेल रही छवि से पंखिनियों ने कल गान किए
कलियाँ उठ आई वृंतों पर फूलों को नव मेहमान किए।।
घिरने-गिरने के तरल रहस्यों का सहसा अवसान हुआ
दाएँ-बाएँ से उठी पवन उठते पौधों का मान हुआ।।
आने लग गई धरा पर भी मौसमी हवा छवि प्यारी की
यादों में लौट रही निधियाँ मनमोहन कुंज विहारी की।।

(क) कवि किसके गमन एवं आगमन की बात कर रहा है? **1**

(i) शरद ऋतु का गमन वसंत ऋतु का आगमन।
(ii) ग्रीष्म ऋतु का गमन वर्षा का आगमन।
(iii) शीत ऋतु का गमन और वर्षा का आगमन ।
(iv) शीत ऋतु का आगमन वर्षा का गमन।

(ख) इस मौसम ने किन्हें निर्मलता का उपहार दिया है? **1**

(i) प्रकृति के स्वरूप को।
(ii) गगन में अपार घन एवं नदियों के किनारों को।
(iii) नदियों के किनारे, खेत व बादल निर्मल हो गए हैं।
(iv) नालों, नदियों, सागरों, सरों सभी को।

(ग) किरणों के पथ से काले आवरण हटने का क्या अर्थ है? **1**

(i) सूर्य का उजला रूप सामने आना।
(ii) किरणों के मार्ग से काले घने मेघों का हट जाना।
(iii) प्रकृति का सुंदर स्वरूप सामने आना।
(iv) वर्षा ऋतु की बिदाई का समय आना।

(घ) कवि कौन-से रहस्यों की समाप्ति की बात कर रहा है? **1**

(i) घने बादलों का घिरना और पानी का गिरना।
(ii) नीचे से ऊपर उठने की हरियाली का पुन: लौटना।
(iii) दाएँ-बाएँ से उठने वाली पवन व उठते पौधों का मान होना।
(iv) किरणों के पथ से काले आवरण हटने का रहस्य।

(ङ) **प्रस्तुत कविता में कवि ने किनकी उदारता के बारे में कहा है?** **1**

(**i**) ऋतुओं की उदारता के बारे में।

(**ii**) प्रकृति की उदारता के बारे में।

(**iii**) खेतों की उदारता

(**iv**) गगन एवं धरती की उदारता

4. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

तन तो आज स्वतंत्र हमारा लेकिन मन आज़ाद नहीं है
सचमुच आज काट दी हमने जंज़ीरें स्वदेश के तन की
बदल दिया इतिहास बदल दी चाल समय की चाल पवन की
देख रहा है राम राज्य का स्वप्न आज साकेत हमारा
ख़ूनी कफ़न ओढ़ लेती है लाश मगर दशरथ के प्रण की।
मानव तो हो गया आज आज़ाद दासता के बंधन से पर
मज़हब के पोथों से ईश्वर का जीवन आज़ाद नहीं है
तन तो आज स्वतंत्र हमारा लेकिन मन आज़ाद नहीं है।
हम शोणित से सींच देश के पतझर में बहार ले आए
खाद बना अपने तन की हमने नवयुग के फूल खिलाए
डाल-डाल में हमने ही तो अपनी बाहों का बल डाला
पात-पात पर हमने ही तो श्रम जल के मोती बिखराए
कैद कफ़स सय्याद सभी से बुलबुल आज स्वतंत्र हमारी
ऋतुओं के बंधन से लेकिन अभी चमन आज़ाद नहीं है
तन तो आज स्वतंत्र हमारा लेकिन मन आज़ाद नहीं है।
यद्यपि कर निर्माण रहे हम एक नई नगरी तारों में
सीमित किंतु हमारी पूजा मंदिर मस्ज़िद गुरुद्वारों में
यद्यपि कहते आज कि हम सब एक हमारा एक देश है
गूँज रहा है किंतु घृणा का तार बीन की झंकारों में
गंगा-जमना के पानी में घुली मिली ज़िंदगी हमारी
मासूमों के गरम लहू से पर दामन आज़ाद नहीं है
तन तो आज स्वतंत्र हमारा लेकिन मन आज़ाद नहीं है।

(क) **हमारा मन आज़ाद क्यों नहीं है?** **1**

(**i**) वैचारिक भिन्नताओं एवं दासता की जंज़ीरों में जकड़े होने के कारण।

(**ii**) धार्मिक अंधविश्वास एवं अज्ञानता के बंधनों में जकड़े होने के कारण।

(**iii**) आतंकवाद एवं घृणा का भाव व्याप्त होने के कारण।

(**iv**) धर्म, रीति-रिवाज़ों, ऋतुओं व वैचारिक भिन्नताओं से जकड़े हुए होने के कारण।

(ख) **'रामराज्य का स्वप्न' से कवि का क्या आशय है?** **1**

(i) आतंकवाद एवं गुलामी के बंधनों से मुक्ति।

(ii) चारों ओर प्रेम, शांति, एवं प्रगति।

(iii) चारों ओर सुख,समृद्धि, शांति, न्याय एवं बुराइयों का अंत।

(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) **हमारा देश एक होकर भी एक क्यों नहीं है?** **1**

(i) अंग्रेज़ी दासता का प्रभाव होने के कारण।

(ii) धार्मिक मतभेद, अंधविश्वास एवं एक दूसरे के प्रति घृणा भाव के कारण।

(iii) अनेक भाषा, धर्म, जाति, रीति-रिवाजों के कारण।

(iv) धर्म के नाम पर फैले भेद-भाव के कारण।

(घ) **विभिन्नता होते हुए भी हमारा जीवन किस प्रकार एक है?** **1**

(i) गंगा जमुना के पानी की तरह।

(ii) धर्म, रीति-रिवाज़ों, ऋतुओं व वैचारिक भिन्नताओं के बीच भी एकरूप।

(iii) मंदिर, मस्ज़िद, गुरुद्वारों की पूजा के रूप में ।

(iv) अनेक भाषा, धर्म, जाति, रीति-रिवाजों की एकरूपता में।

(ङ) **'मासूमों के गरम लहू से पर दामन आज़ाद नहीं है' पंक्ति का क्या भाव है?** **1**

(i) चारों ओर मासूम एवं लाचार लोग पीड़ित हैं।

(ii) मन की आज़ादी असंभव प्रतीत होती है।

(iii) आतंकवाद से मुक्ति असंभव प्रतीत होती है।

(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं।

खंड-ख

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) **'स्कूल के सभी बच्चों के साथ मैं घूमने जाऊँगा।' वाक्य में पदबंध है:** **1**

(i) स्कूल के सभी बच्चों के साथ मैं - विशेषण पदबंध

(ii) स्कूल के सभी बच्चों के साथ - क्रिया विशेषण पदबंध

(iii) स्कूल के सभी - सर्वनाम पदबंध

(iv) स्कूल के सभी बच्चों के साथ मैं - सर्वनाम पदबंध

(ख) **'*रातभर भौंकने वाला* कुत्ता मर गया।' रेखांकित वाक्य में पदबंध है:** **1**

(i) संज्ञा पदबंध **(ii)** सर्वनाम पदबंध

(iii) विशेषण पदबंध **(iv)** क्रिया पदबंध

(ग) 'साधू ने कुटिया बनवाई।' रेखांकित शब्द का पद परिचय है: 1

(i) संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक

(ii) संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(iii) संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक

(iv) संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक

(घ) 'यह छात्रा बहुत चतुर है।' रेखांकित शब्द का पद परिचय है: 1

(i) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ii) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'छात्रा' विशेष्य

(iii) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, 'छात्रा' विशेष्य

(iv) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'छात्रा' विशेष्य, कर्मकारक

6. (क) 'मोहन अस्वस्थ था इसलिए विद्यालय न जा सका।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है: 1

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य

(iii) जटिल वाक्य (iv) मिश्र वाक्य

(ख) 'कृष्ण मुरली बजाते हैं। गोपियाँ नाचती हैं।' इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है: 1

(i) जैसे ही कृष्ण मुरली बजाते हैं वैसे ही गोपियाँ नाचती हैं।

(ii) जब कृष्ण मुरली बजाते हैं तब गोपियाँ नाचती हैं।

(iii) कृष्ण मुरली बजाते हैं और गोपियाँ नाचती हैं।

(iv) जो कृष्ण मुरली बजाते हैं तो गोपियाँ नाचती हैं।

(ग) 'आप बैठकर कुछ देर आराम कीजिए।' निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है: 1

(i) आप आराम करने के लिए कुछ देर बैठिए। (ii) आप कुछ देर बैठिए और आराम कीजिए।

(iii) आप कुछ देर बैठो और आराम करो। (iv) आप आराम करो और कुछ देर बैठो।

(घ) 'वह सीढ़ियों से उतरते हुए गिर पड़ा।' निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है: 1

(i) वह सीढ़ियों से उतर ही रहा था कि गिर पड़ा। (ii) वह सीढ़ियों से उतरा और गिर पड़ा।

(iii) जब वह सीढ़ियों से उतरा तब गिर पड़ा। (iv) ज्यों ही वह सीढ़ियों से उतरा गिर पड़ा।

7. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'मलयानिल' का संधि-विच्छेद होगा: 1

(i) मल + यानिल (ii) मलय + अनिल

(iii) मलया + निल (iv) मलया + अनिल

(ख) 'मद + उन्मत्त' की उचित संधि होगी: 1

(i) मदुन्मत्त (ii) मदउन्मत्त

(iii) मदौन्मत्त (iv) मदोन्मत्त

(ग) 'धर्मविमुख' का सही विग्रह और समास होगा: 1

(i) धर्म में विमुख -अधिकरण तत्पुरुष समास (ii) धर्म द्वारा विमुख -करण तत्पुरुष समास

(iii) धर्म से विमुख -अपादान तत्पुरुष समास (iv) धर्म के लिए विमुख -संप्रदान तत्पुरुष समास

(घ) 'हित के लिए उपदेश' का समस्त पद और समास होगा: 1

(i) हितोपदेश - कर्मधारय समास (ii) हितोपदेश - तत्पुरुष समास

(iii) हितापदेश - कर्मधारय समास (iv) हितेपदेश - कर्मधारय समास

8. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा करें:

(क) जो बच्चे अपने माता-पिता की----------हैं, वे स्वयं भी जीवन में सुखी नहीं रहते। 1

(i) कलेजे के टुकड़े (ii) पेट काटते

(iii) बाट जोहते (iv) पगड़ी उछालते

(ख) 'फूला ना समाना' मुहावरे का उपयुक्त अर्थ है: 1

(i) घबरा जाना (ii) गर्व महसूस करना

(iii) बहुत खुश होना (iv) बहुत अधिक भोजन करना

(ग) राधा को कपड़े सिलना तो आता नहीं और दोष मशीन को देती है, इसी को कहते हैं---------।
उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति करें: 1

(i) दूर के ढोल सुहावने (ii) पर उपदेश कुशल बहुतेरे

(iii) थोथा चना बाजे घना (iv) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(घ) संत रविदास न मंदिर जाते थे न तीर्थ। उनका दृढ़ विश्वास था कि----------। 1

(i) सहज पके सो मीठा (ii) मन चंगा तो कठौती में गंगा

(iii) नेकी कर दरिया में डाल (iv) मुँह में राम बगल में छुरी

9. (क) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है: 1

(i) भाई ने बहन से राखी बँधवाई। (ii) भाई ने बहन से राखी बँधवाया।

(iii) बालिका ने भाई से राखी बंधवाई। (iv) भाई ने बालिका से राखी बंधवाई।

(ख) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है: 1

(i) मैंने दर्ज़ी से तीन कमीज़ सिलवाए। (ii) मैंने दर्ज़ी से तीन कमीज़ें सिलवाई।

(iii) तीन कमीज़ें दर्ज़ी से मैंने सिलवाई। (iv) मैंने तीन कमीज़ें दर्ज़ी से सिलवाई।

(ग) **निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:** **1**

(**i**) सूरसागर ने सूरदास लिखा। (**ii**) सूरदास ने लिखा सूरसागर।

(**iii**) सूरदास ने सूरसागर लिखा। (**iv**) लिखा सूरदास ने सूरसागर।

(घ) **निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:** **1**

(**i**) आगरा के कारण ताज़महल प्रसिद्ध है। (**ii**) ताज़महल आगरा के कारण प्रसिद्ध है।

(**iii**) ताज़महल के कारण प्रसिद्ध है आगरा। (**iv**) ताज़महल के कारण आगरा प्रसिद्ध है।

खंड-ग

10. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल!

(क) **असंख्यक का प्रयोग किसके लिए किया गया है?** **1**

(**i**) भावों के लिए (**ii**) लोगों के लिए

(**iii**) तारों के लिए (**iv**) दीयों के लिए

(ख) **उपर्युक्त काव्यांश में बादलों की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है?** **1**

(**i**) बादलों के गरजने की

(**ii**) बादलों की कालिमा की

(**iii**) बादलों के गहराने पर बिजली चमकने से आशा उत्पन्न होने की

(**iv**) बादलों के बरसने की

(ग) **'स्नेहहीन दीपक' कौन-से हैं?** **1**

(**i**) बादल (**ii**) बिजली

(**iii**) जुगनू (**iv**) तारे

(घ) **कवयित्री ने सागर का उर जलने की कल्पना क्यों की है?** **1**

(**i**) बिजली के कड़कने का प्रतिबिंब देखकर (**ii**) तारों को सागर में प्रतिबिंबत होते देखकर

(**iii**) सागर में चाँद का प्रतिबिंब देखकर (**iv**) सागर की उठती लहरों की चमक देखकर

(ङ) **कवयित्री ने तारों को स्नेहहीन क्यों कहा है?** **1**

(**i**) क्योंकि उनके जीवन का कोई लक्ष्य नहीं

(**ii**) क्योंकि उनका प्रकाश किसी को रोशनी नहीं देता

(**iii**) क्योंकि उसके हृदय में असीम से मिलने की आकांक्षा नहीं

(**iv**) क्योंकि वे किसी से प्रेम नहीं करते

अथवा

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर - चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

(क) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने किस महापुरुष के नाम का उल्लेख नहीं किया है? **1**

(**i**) वेद व्यास (**ii**) रंतिदेव

(**iii**) कर्ण (**iv**) दधीचि

(ख) ऋषि दधीचि ने क्या किया? **1**

(**i**) कबूतर के लिए मांस दिया

(**ii**) वृत्रासुर को मारने के लिए अस्थियाँ दीं

(**iii**) अपने शरीर से कवच और कुंडल काटकर दान दिए

(**iv**) अपना भोजन का थाल भूखे संन्यासियों को दिया

(ग) रंतिदेव ने मानव-कल्याण के लिए क्या किया? **1**

(**i**) अपना राज्य त्याग दिया (**ii**) अपना भोजन का थाल भूखे संन्यासियों को दिया

(**iii**) प्रह्लाद की रक्षा की (**iv**) राक्षसों का नाश किया

(घ) कवि ने 'देह' तथा 'जीव' के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया है? **1**

(**i**) नश्वर और अनश्वर (**ii**) अपवित्र और पवित्र

(**iii**) अनादि और अनित्य (**iv**) अनित्य और अनादि

(ङ) राजा शिवि ने किस प्राणी की रक्षा की? **1**

(**i**) हिरण की (**ii**) बाज की

(**iii**) बकरी की (**iv**) कबूतर की

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **2. 5×2=5**

(**क**) कारतूस' एकांकी के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है?

(**ख**) 'गिरगिट' कहानी के आधार पर ओचुमेलॉव की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(**ग**) जापान में मानसिक रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन क्यों बढ़ रही है?

(**घ**) प्रकृति में असंतुलन का क्या फल निकला है एवं इससे मनुष्य को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है?

12. आपके विचार में कौन-से ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

'मुट्ठी भर आदमी और ये दमख़म' – आशय स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

लेफ़्टीनेंट – सुना है ये वज़ीर अली अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहेज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दे रहा है।

कर्नल – अफ़गानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले असल में टीपू सुल्तान ने दी फिर वज़ीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया और फिर शमसुद्दौला ने भी।

लेफ़्टीनेंट – कौन शमसुद्दौला?

कर्नल – नवाब बंगाल का निस्बती भाई। बहुत ही ख़तरनाक आदमी है।

लेफ़्टीनेंट – इसका तो मतलब ये हुआ कि कंपनी के ख़िलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

कर्नल – जी हाँ, और अगर ये कामयाब हो गई तो बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाएँगे और कंपनी जो कुछ लॉर्ड क्लाइव के हाथों हासिल कर चुकी है, लॉर्ड वेल्जली के हाथों सब खो बैठेगी।

(क) 'कंपनी के ख़िलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।' – आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) हिंदुस्तान पर हमला करने के लिए अफ़गानिस्तान के बादशाह को किस-किस ने दावत दी थी? **2**

(ग) शमसुद्दौला कौन था? **1**

अथवा

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदो-चरिंदो से उनका घर छीन लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आख़िर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाईब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(क) लेखक की पत्नी ने कबूतरों से परेशान होकर क्या किया? **1**

(ख) वर्सोवा में अब क्या बदलाव आ गए हैं? **2**

(ग) कबूतरों की वजह से लेखक को क्या परेशानी होने लगी? **2**

14. (क) कवयित्री को आकाश के तारे स्नेह हीन क्यों प्रतीत होते हैं? **2**

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' गीत से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? **2**

(ग) 'जगतु तपोवन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **1**

15. इफ़्फ़न की दादी तथा टोपी की दादी की स्वभावगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **3**

अथवा

'प्रेम इन बातों का पाबंद नहीं होता' लेखक ने ऐसा क्यों कहा? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16. पीटी सर की दो प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। **2**

खंड-घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए: 5

(क) प्रदूषण की समस्या

- प्रदूषण का अर्थ
- प्रदूषण के कारण
- शहरी जीवन में संवेदनशीलता का अभाव
- प्रदूषण दूर करने की आवश्यकता

(ख) भारतीय किसान

- भारत में कृषि मुख्य व्यवसाय
- अशिक्षा के कारण आधुनिक कृषि साधनों के प्रयोग का अभाव
- प्राकृतिक साधनों पर निर्भरता
- स्थिति में सुधार की आवश्यकता

(ग) पर्यटन का महत्त्व

- पर्यटन का अर्थ व विकास का सूत्रधार
- पर्यटन एक उद्योग, एक शौक
- पर्यटन पर आतंकवाद का असर
- विकास हेतु उपाय

18. अपने नगर के जलापूर्ति अधिकारी को पर्याप्त और नियमित रूप से पानी न मिलने की शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। **5**

अथवा

देश में लड़कियों की घटती जनसंख्या पर चिंता प्रकट करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।